



श्रृंखला: दस, राउंड (सामाजिक विज्ञान) पाठ -1

स्रोत और लक्ष्य



बहु विकल्पीय प्रश्न:

(a) निम्नलिखित स्रोतों से लौह अयस्क किस प्रकार का संसाधन है?

- (i) नवीकरणीय (ii) निरंतर प्रवाहित उत्तर:- गैर-नवीकरणीय (iii) जैविक स्रोत (iv) गैर-नवीकरणीय

(b) गैर-नवीकरणीय ऊर्जा आय का कौन सा स्रोत लिया जाएगा?

- (i) नवीकरणीय उत्तर:- (ii) अकार्बनिक (iii) मानव विकास (iv) गैर-नवीकरणीय

नवीकरणीय

(ग) पंजाब में भूमि की बंजरता का मुख्य कारण क्या है?

- (i) गहन खेती (ii) अत्यधिक सिंचाई (iii) वनों की कटाई (iv) मवेशी चराई के कारण उत्तर:- अत्यधिक सिंचाई में किस प्रकार की आपदा सबसे अधिक बार होती है? (Q) उत्तर:- बाढ़

- (iii) भूकंप (iv) वर्षा

(ई) निम्नलिखित में से किस राज्य में प्राचीन धर्म का पालन किया जाता है?

- उत्तराखंड (iii) उत्तर प्रदेश का मैदान (iv) उत्तराखंड (i) पंजाब (ii) बिहार उत्तर:-

(a) निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में काला टिड्डा पाया जाता है?

- (i) जम्मू और कश्मीर उत्तर:- (ii) राजस्थान (iii) गुजरात (iv) झारखंड

गुजरात

(ख) संसाधनों के अंधाधुंध उपयोग एवं दुरुपयोग के कारण।

- (i) सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय कठिनाइयाँ उत्पन्न होती हैं।
(ii) अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है।
(iii) संसाधन दुर्लभ हैं।
(iv) भोजन की कमी है।

उत्तर:- सामाजिक-आर्थिक एवं पर्यावरणीय कठिनाइयाँ उत्पन्न होती हैं।

(ग) खेती के लिए अनुपयुक्त हो चुकी भूमि का क्या किया जाता है?

- (ii) बंजर भूमि (ii) बंजर भूमि उत्तर:- बंजर भूमि (iii) दुर्लभ भूमि (iv) खेती के अंतर्गत क्षेत्र

(घ) चेन्नोबिल आपदा कहाँ घटित हुई?

(i) अमेरिका

(ii) भारत

(iii) जापान

(iv) यूक्रेन

उत्तर:- यूक्रेन

(एन) किसने लिखा था, "पृथ्वी पर अमीरों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है, लेकिन लालची के लालच को संतुष्ट करने के लिए पर्याप्त नहीं है।"

(i) जियार लाल नवीरू उत्तर:-

(ii) बुतरस घाली

(iii) बराक ओबामा

(iv) श्री गांधी

महात्मा गांधी

2. निम्नलिखित शब्दों के बारे में एक शब्द लिखें-

(i) मिट्टी, जल, वनस्पति और खनिज प्राकृतिक संसाधन हैं।

(ii) एक प्रकार का गैर-नवीकरणीय संसाधन - अलसी और अलसी का तेल

(iii) उच्च जल अवशोषण क्षमता वाली मिट्टी का प्रकार - रेतीली मिट्टी (iv) शुष्क

मानसून जलवायु वाली मिट्टी का प्रकार: लैटेराइट मिट्टी

(v) शेल्टरबेल्ट - मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए लगाए गए जंगलों की एक पंक्ति।

(vi) उत्तरी भारत के मैदान इस प्रकार की मिट्टी से बने हैं - जलोढ़ मैदान।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 30 शब्दों में दीजिए -

नाम बताइए जिनमें यह फसल उगाई जाती है? काला जीरा किस राज्य में पाया जाता है? (i) उन राज्यों के

उत्तर: काली मिट्टी गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में पाई जाती है। इस मिट्टी में कपास और गन्ना उगाई जाने वाली फसलें हैं।

मुख्य फसलें हैं

(ii) भारत के पूर्वी तट पर नदियों के डेल्टा भागों में टिड्डियों की कौन सी प्रजातियाँ पाई जाती हैं?

उत्तर:- भारत के पूर्वी तट पर लाल मिट्टी पाई जाती है और नदियों के डेल्टा भागों में जलोढ़ मिट्टी पाई जाती है।

(iii) पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन को रोकने के लिए कदम उठाए जा सकते हैं?

उत्तर:- पहाड़ी क्षेत्रों में मृदा अपरदन को रोकने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं:-

1. चरण-आकार के क्षेत्र बनाए जाने चाहिए।

2. खेतों को छोटे-छोटे भूखंडों या नालों में विभाजित करके ऊपरी मिट्टी को कटाव से बचाया जा सकता है।

3. पेड़ों को पंक्तियों में लगाया जाना चाहिए।

(iv) बिजली और पानी के स्रोत क्या हैं? उदाहरण दीजिए।

उत्तर:- जैविक संसाधन:- जैविक संसाधन वे संसाधन हैं, जो हमें जीवमंडल से प्राप्त होते हैं। जैव संसाधनों में जीवन,

जैसे मनुष्य, पशु, पक्षी, मछली और जंगल।

अजैविक संसाधन: अजैविक संसाधन वे संसाधन हैं जिनमें जीवन नहीं होता, जैसे चट्टानें और खनिज।

(v) विपत्ति के समय धन का क्या उपयोग है?

उत्तर:- आपदा प्रबंधन का संबंध इस बात से है कि कोई देश किसी भी आपदा से कैसे निपट सकता है।

इस योजना से मानव जीवन और संपत्ति की क्षति में उल्लेखनीय कमी आ सकती है।

(vi) ग्राउंडहॉग क्या है? उदाहरण दीजिए।

उत्तर:- मिट्टी की सबसे ऊपरी परत के कटाव को मृदा अपरदन कहते हैं। मृदा अपरदन कई तरीकों से होता है। उदाहरण के लिए, हवाएँ, हिमनद और पानी मृदा अपरदन के लिए ज़िम्मेदार हैं। गिरता पानी मिट्टी में छेद कर देता है जिससे गहरी मिट्टी बन जाती है। भारत में प्सम्बल क्षेत्र की तरह घाटियाँ बनी हैं।

(vii) तेल की वर्तमान प्रति वर्ग मीटर कीमत और किसी अन्य मुद्रा की प्रति वर्ग मीटर कीमत में क्या अंतर है?

उत्तर:- परती भूमि:- परती भूमि वह भूमि है जिसमें एक या एक वर्ष से कम समय के बाद फसलें बोई जाती हैं।

अन्य प्रकार की परती भूमि - यह वह भूमि है जिसमें एक से पांच वर्ष के बाद फसलें बोई जाती हैं।

(viii) निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखें:-

(क) क्षेत्रीय और अक्षेत्रीय सीमाएँ:-

उत्तर:- उत्पत्ति की दृष्टि से, मिट्टी को दो भागों में विभाजित किया जाता है: आंचलिक मिट्टी और अक्षेत्रीय मिट्टी। आंचलिक मिट्टी हैं

इन्हें 'स्थानीय मिट्टी' भी कहा जाता है, ये गहराई में दबी चट्टानों के ऊपर बनती हैं। अज़ोनल मिट्टी 'आवधिक' होती है।

मिट्टी का निर्माण हवा, वर्षा, हिमनदों या समुद्री धाराओं द्वारा प्राथमिक चट्टानों के अपक्षय से होता है।

वे उस स्थान पर पहुँचते हैं।

(ख) अक्षर टी की संरचना:-

मृदा संरचना से तात्पर्य उस तरीके से है जिससे मृदा कण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। मृदा कणों में हवा, नमी,

तापमान, जल अवशोषण और अपरदन वे प्रक्रियाएँ हैं जो मिट्टी के गुणों को निर्धारित करती हैं। शुष्क और अर्ध-शुष्क

कुछ क्षेत्रों में, कैल्शियम कार्बोनेट मिट्टी की निचली परत में अवशोषित हो जाता है। इसे 'स्केल्डिफिकेशन' कहते हैं। मिट्टी में नमक की मात्रा में वृद्धि को 'लवणीकरण' कहते हैं और मिट्टी के तेज़ कटाव को 'लीचिंग', 'लेसिवेशन' और 'चेल्यूविएशन' कहते हैं।

मैं निकल रही हूँ।

(ग) संसाधन:

भौगोलिक दृष्टि से, प्रकृति से हमें मिलने वाला प्रत्येक पदार्थ और ऊर्जा, जिसका उपयोग मनुष्य सहित सभी जीव अपने लाभ के लिए करते हैं, संसाधन कहलाते हैं। दूसरे शब्दों में, वह सब कुछ जो हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है,

तकनीकी रूप से व्यवहार्य, आर्थिक रूप से व्यवहार्य, भौगोलिक रूप से व्यवहार्य, और

सांस्कृतिक रूप से, जब घोड़े की सवारी करना स्वीकार्य होता है, तो उसे स्रोत कहा जाता है।

(ग) सीमा का आर्थिक महत्व:

उपजाऊ मिट्टी अनादि काल से मानव अस्तित्व का केंद्र रही है और सभी सभ्यताएँ उपजाऊ मिट्टी में ही जन्मी और विकसित हुई हैं। हमारा देश, एक कृषि प्रधान देश होने के बावजूद, आज भी मिट्टी पर आधारित है। यह मिट्टी हमारे देश की विशाल जनसंख्या के लिए भोजन, जल और आवास जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु एक अत्यंत महत्वपूर्ण संसाधन बन गई है। (ड) मिट्टी एवं मृदा:-

जब वर्षा या सिंचाई का पानी मिट्टी की ऊपरी परत को नष्ट कर देता है, तो इसे मृदा अपरदन कहते हैं। मृदा संरक्षण या सुरक्षा के कुछ तरीके इस प्रकार हैं:

i. अधिक पेड़ लगाना

ii. पशु चारे का उचित प्रबंधन। iii. रेतीले क्षेत्र को

बढ़ने से रोकने के लिए पेड़ों की कतारें लगाना। iv. खाली जमीनों का उचित प्रबंधन। v. उद्योगों से

निकलने वाले अपशिष्ट जल को रोकना। vi. पहाड़ी क्षेत्रों में

सीढ़ीनुमा खेत बनाना। vii. पिछली फसल की खाद को खेत में ही छोड़ना।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 120 शब्दों में दीजिए -

(i) भारत में भूमिका स्वामित्व इस प्रकार है। यही कारण है कि 1960-61 के बाद से भारत में कोई भूमि स्वामित्व नहीं रहा है।

अधिक वृद्धि क्यों नहीं हुई है? उत्तर: भूमि

उपयोग यह रिकॉर्ड है कि किसी भूमि के टुकड़े का उपयोग कैसे और किस उद्देश्य के लिए किया जा सकता है। 2017 के संयुक्त राज्य भूमि सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में कृषि योग्य भूमि का सबसे बड़ा क्षेत्र है। भारत में कृषि में भिन्नता विभिन्न कारकों जैसे जलवायु, कृषि, खेत का आकार, कीमतें, सरकारी नीतियां और किसान आय पर निर्भर करती है। भारत की पूरी अर्थव्यवस्था कृषि के इर्द-गिर्द घूमती है। देश की 58% आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि से जुड़ी है। फसल की खेती के अलावा, कृषि में पशुपालन, बागवानी, मछली पालन, रेशम कीट पालन, वानिकी और फूल उगाना भी सहायक गतिविधियों के रूप में शामिल हैं। भारत की भौगोलिक स्थिति उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय होने के कारण भारत के लिए अनुकूल स्थिति प्रदान करती है। भारत के कृषि क्षेत्र में एक वर्ष में दो या दो से अधिक फसलें उगाई जा सकती हैं।

भूमि में कोई वृद्धि नहीं हुई है क्योंकि स्वतंत्रता के बाद के युग में, मुख्य रूप से कृषि क्रांति, विकास कार्यों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के बाद, कृषि विस्तार के लिए अधिक भूमि की मांग के कारण वन क्षेत्रों का सफाया हो गया और औद्योगीकरण और शहरीकरण ने भी वनों के क्षेत्र को कम कर दिया है।

(ii) तकनीकी और आर्थिक विकास के साथ नमक का उपयोग किस प्रकार बढ़ता है?

उत्तर:- संसाधनों का उपयोग तकनीकी और आर्थिक विकास से भी जुड़ा है। कुछ संसाधनों का विकास किया जा सकता है,

लेकिन उन संसाधनों का उपयोग करने के लिए या किसी भी मात्रा में उन संसाधनों का उपयोग करने के लिए प्रौद्योगिकी की आवश्यकता होती है।

प्रौद्योगिकी के बिना इन संसाधनों का उपयोग नहीं किया जा सकता। इसलिए, किसी देश का आर्थिक विकास भी संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

इससे बिजली के इस्तेमाल पर बहुत बुरा असर पड़ता है। दुनिया में ऐसे कई देश हैं जहाँ प्राकृतिक संसाधनों की भरमार है।

लेकिन आर्थिक रूप से कमज़ोर होने के कारण वे उन संसाधनों का पूरा उपयोग नहीं कर पाते। आर्थिक रूप से मज़बूत देश

हाँ, वे अपनी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए दूसरे देशों में अपने उपनिवेश स्थापित करते हैं। उदाहरण के लिए, अंग्रेज़

जब उन्हें संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ा, तो उन्होंने भारत और भारत के आसपास के कई अन्य देशों में अपने उपनिवेश स्थापित किए।

लेकिन इसके लिए किसी देश का आर्थिक रूप से मज़बूत होना बहुत ज़रूरी है। इसलिए हम कह सकते हैं कि

जैसे-जैसे कोई देश तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित होता है, उसके संसाधनों की खपत भी बढ़ती जाती है।

(iii) ग्लोबल वार्मिंग (ग्लोबल वार्मिंग) लक्स

तुम आज क्या कर रहे हो?

उत्तर:- ग्लोबल वार्मिंग पृथ्वी की सतह पर तापमान में क्रमिक वृद्धि की घटना है। यह

पिछले कुछ सदियों से तापमान में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इस परिवर्तन ने पृथ्वी की जलवायु को अस्त-व्यस्त कर दिया है जिसका मनुष्यों, पौधों और जानवरों

पर बुरा प्रभाव पड़ा है। ग्लोबल वार्मिंग के कई कारण हैं। ये कारण

ये प्राकृतिक हो सकते हैं या मानवीय गतिविधियों का परिणाम भी हो सकते हैं। जैसे:-

1. अंधाधुंध वनों की कटाई 4.

2. हथियारों का उपयोग

3. क्लोरो-फ्लोरोकार्बन

औद्योगिक विकास 7.

5. गलत खेती के तरीके

6. बढ़ती जनसंख्या

ज्वालामुखी विस्फोट आदि। तापमान में

निरंतर वृद्धि, जलवायु परिवर्तन, बीमारियों का प्रसार, उच्च मृत्यु दर और प्राकृतिक आपदाओं जैसे कारकों का प्रभाव।

आवास की हानि क्या है? (iv) जल की कमी का

शरणार्थियों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर:- जलवायु शरणार्थी वे लोग हैं जो जलवायु परिवर्तन के कारण अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर हैं।

उष्णकटिबंधीय चक्रवात, सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाएँ और मानवीय गतिविधियाँ जलवायु परिवर्तन के मुख्य कारण हैं।

पृथ्वी के निर्माण के बाद से सदियों में पृथ्वी पर कई जलवायु परिवर्तन हुए हैं। ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ते तापमान के कारण रेगिस्तान रेगिस्तान बन सकते हैं। इससे रहने योग्य भूमि भी रेगिस्तान में बदल सकती है।

हाँ। जैसे-जैसे समुद्र का जल स्तर बढ़ता है, निचले तटीय इलाके जलमग्न हो जाते हैं, जिससे वे रहने लायक नहीं रह जाते।

नहीं, ऐसा नहीं है। शरणार्थियों के बीच इन्हें 'यात्रा समीक्षा' भी कहा जाता है।

(v) आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाइ फ्रेमवर्क क्या है? उत्तर:- सेंडाइ फ्रेमवर्क एक

अंतरराष्ट्रीय दस्तावेज है जो 2015 से 2030 तक आपदाओं के प्रभाव को कम करने की योजना की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। यह दस्तावेज 14 से 18 मार्च 2015 तक जापान के सेंडाइ में आयोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में तैयार किया गया था। इसे जून 2015 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपनाया गया था। यह दस्तावेज 2005-15 के विश्व बैंक समझौते पर आधारित है। इसमें प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं को कम करने के लिए चार स्तंभ, 7 लक्ष्य और 13 सिद्धांत हैं। योजना के आधार पर किए जाने वाले चार कार्य इस प्रकार हैं:- 1. आपदाओं के जोखिम को समझना। 2. आपदा प्रबंधन के लिए सरकारों को तैयार करना। 3. आपदाओं के जोखिम को कम करने के लिए धन खर्च करना। 4. लोगों को सुरक्षित और उबरते हुए आपदा की तैयारी और प्रतिक्रिया में सुधार करना। उत्तर:-

भौगोलिक दृष्टि से, वह समस्त ऊर्जा जो हमें प्रकृति से प्राप्त होती है

और जिसका उपयोग मनुष्य सहित सभी जीव अपने लाभ के लिए करते

हैं, संसाधन कहलाती है। दूसरे शब्दों में, कोई भी चीज जो हमारी आवश्यकताओं को पूरा करती हो, तकनीकी रूप से प्राप्त करने में आसान हो,

आर्थिक रूप से व्यवहार्य हो, भौगोलिक रूप से सुलभ हो और सांस्कृतिक रूप से सभी को स्वीकार्य हो, संसाधन कहलाती है। संसाधनों को मुख्यतः

निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है:- (1) उपलब्धता के आधार पर नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय संसाधन। (2) विकास और उपयोग के आधार पर अव्यक्त संसाधन। (3) उत्पत्ति के आधार पर जैविक संसाधन और अकार्बनिक संसाधन। (4) उत्पत्ति के आधार पर, हर जगह पाए जाने वाले स्रोत और स्थानीय रूप से पाए जाने वाले स्रोत। (5) ब्रह्मांड से पृथ्वी तक पहुँचने वाले स्रोत। उत्पत्ति के आधार पर, जैविक संसाधन और अकार्बनिक संसाधन:- जैविक संसाधन:

- जैविक संसाधन उपलब्धता के आधार पर नवीकरणीय और अनवीकरणीय संसाधन इस प्रकार हैं:- नवीकरणीय

संसाधन: नवीकरणीय संसाधन वे संसाधन हैं, जो कम समय में स्वयं को नवीनीकृत

कर सकते हैं। ये संसाधन मनुष्यों को प्राकृतिक रूप से निरंतर उपलब्ध रहते हैं और मानवीय

गतिविधियों का इन पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता। उदाहरण के लिए, सौर

ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा, पवन ऊर्जा।

अनवीकरणीय संसाधन: अनवीकरणीय संसाधन वे संसाधन हैं जिनके बनने में बहुत लंबा भूवैज्ञानिक समय लगता है। उदाहरण के लिए, खनिज और जीवाश्म ईंधन। इनके बनने में लाखों वर्ष लगते हैं।

(vii) संसाधन नियोजन और संसाधन आवंटन में क्या अंतर है? संसाधन नियोजन के प्रकारों पर एक टिप्पणी लिखिए।

उत्तर:- योजना का अर्थ है किसी भी समस्या के बारे में पहले से सोचना। क्या करना है, कब करना है, कैसे करना है।

सरल शब्दों में कहें तो, योजना हमें बताती है कि हम कहाँ हैं और हमें कहाँ जाना है।

नियोजन तीन प्रकार का होता है। परिचालन नियोजन, रणनीतिक नियोजन और सामरिक नियोजन। संसाधनों का प्रभावी उपयोग यह योजना बनाकर भी संभव है।

योजना की विशेषताएं :-

1. प्रक्रिया संबंधी योजना
2. नीति नियोजन
3. रणनीतिक योजना

संसाधन नियोजन एक जटिल प्रक्रिया है। इसमें शामिल हैं:

1. देश के विभिन्न भागों में संसाधनों की पहचान करना और उन्हें सूचीबद्ध करना। इस कार्य में क्षेत्र सर्वेक्षण, इसमें संसाधनों की गुणवत्ता और मात्रा का मानचित्रण और परिमाणीकरण शामिल है।
2. संसाधन विकास योजना के अनुसार, संस्थाओं, प्रौद्योगिकी और कौशल का प्रयोग करके परियोजना प्रारूप को वास्तविक रूप में परिवर्तित किया जाता है।

देना संभव है।

3. संसाधनों की विकास योजना देश की विकास योजना के अनुरूप होनी चाहिए।

(viii) पृथ्वी की पपड़ी का क्या उपयोग है? पृथ्वी की पपड़ी के लिए पपड़ी का चित्र बनाइए।

उत्तर:- पृथ्वी एक बहुमूल्य संसाधन है जिसका उपयोग हमारे पूर्वज सदियों से करते आ रहे हैं,

हम पीढ़ियों से ऐसा करते आ रहे हैं। हम कई आर्थिक गतिविधियों के लिए ऐसा करते आ रहे हैं,

हम इसका इस्तेमाल करते हैं। पृथ्वी हम सभी के लिए एक अनमोल संसाधन है। प्राकृतिक वनस्पति,

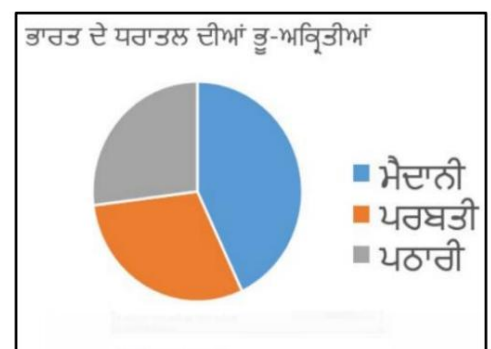
वन्य जीवन, मानव जीवन, आर्थिक गतिविधियाँ, परिवहन और संचार सुविधाएँ, ये सब पृथ्वी पर मौजूद हैं। लेकिन

भूमि एक सीमित संसाधन है, इसलिए इसका उपयोग सीमित होना चाहिए।

इसका इस्तेमाल सावधानी से करना चाहिए। भारत में कई भूमिगत खदानें हैं।

यहाँ विभिन्न प्रकार की भू-आकृतियाँ हैं। जैसे पहाड़ियाँ, पठार, मैदान और द्वीप। लगभग 43% क्षेत्र मैदानी है जो

ये कृषि और औद्योगिक विकास के लिए सुविधाएँ प्रदान करते हैं। देश का 30% क्षेत्र पहाड़ों से ढका है जो साल भर नदियों को पानी प्रदान करते हैं और पर्यटकों के लिए एक पसंदीदा स्थल हैं। देश का लगभग 27% भाग पठारी है जो खनिजों और वनों से समृद्ध है।

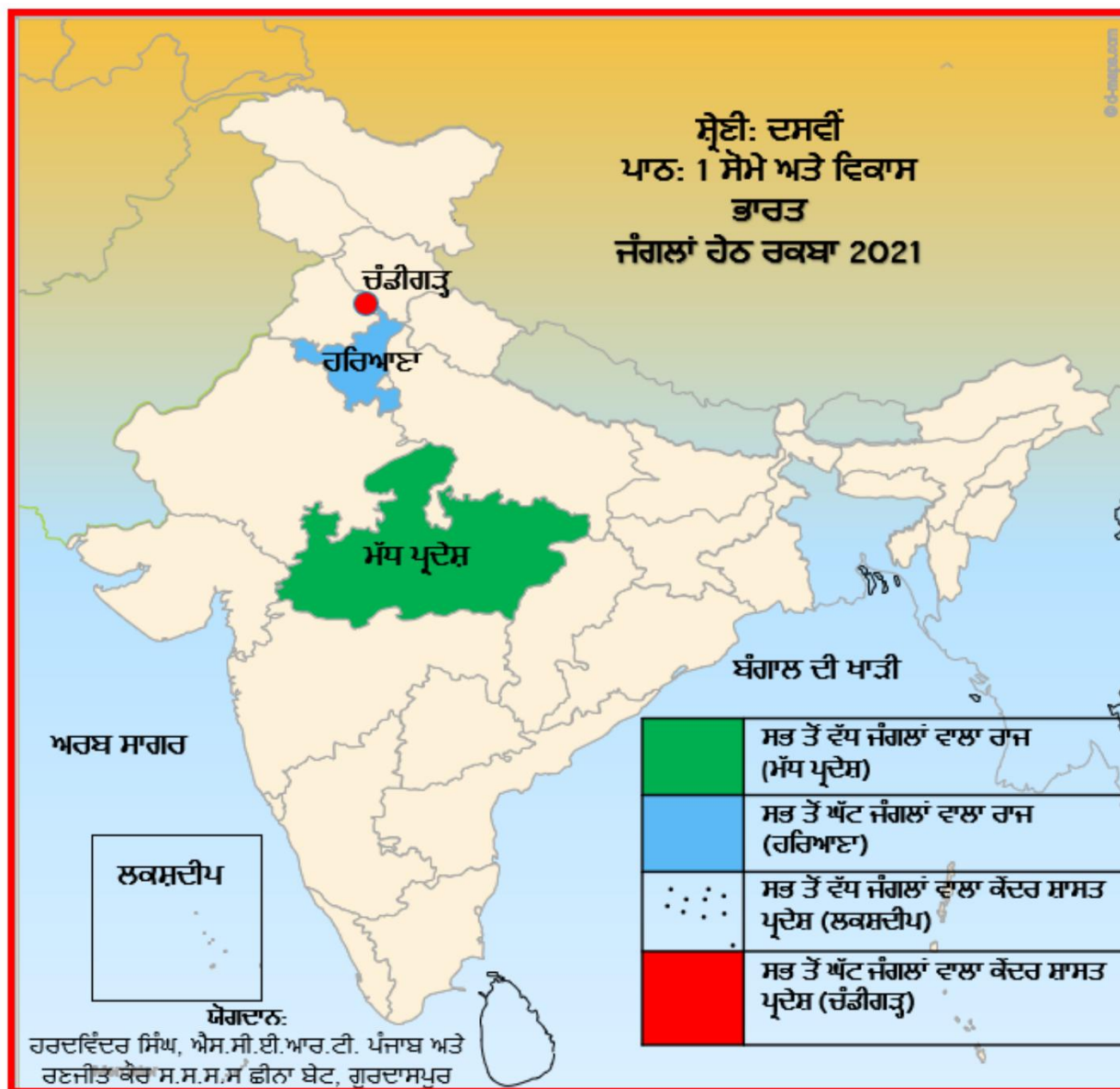


भूमि का उपयोग निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया जाता है:-

1. ਵਨ ਭੂਮਿ
2. ਕ੍ਰਿਸ਼ਿ ਕੇ ਲਿਏ ਅਨੁਪਲਬਧ ਭੂਮਿ: ਬੰਜਰ ਭੂਮਿ, ਗੈਰ-ਕ੍ਰਿਸ਼ਿ ਪ੍ਰਯੋਜਨਾਂ ਜੈਸੇ ਨਿਰਮਾਣ, ਸੜਕ, ਉਧੋਗ ਆਦਿ ਕੇ ਲਿਏ ਭੂਮਿ।
3. ਪਰਤੀ ਭੂਮਿ ਕੇ ਅਲਾਵਾ ਗੈਰ-ਕ੍ਰਿਸ਼ਿ ਪ੍ਰਯੋਜਨਾਂ ਕੇ ਲਿਏ ਭੂਮਿ; ਸਥਾਈ ਚਾਰਾਗਾਹ , ਖੇਤੀ ਕੇ ਲਿਏ ਅਨੁਪਯੁਕਤ ਖੇਤਰਾਂ ਮੇਂ ਉਗਾਏ ਗਏ ਪੇਡੇ
ਪਰਤੀ ਭੂਮਿ, ਪਰਤੀ ਛੋੜੀ ਗਈ ਭੂਮਿ ਜਹਾਂ 5 ਵਰ੍ਸ਼ੇ ਸੇ ਅਧਿਕ ਸਮਯ ਸੇ ਖੇਤੀ ਨਹੀਂ ਕੀ ਗਈ ਹੈ।
4. ਗਿਰੀ ਹੁੜ੍ਹ ਭੂਮਿ; ਖਾਲੀ ਗਿਰੀ ਹੁੜ੍ਹ ਭੂਮਿ ਔਰ ਅਨਯ ਗਿਰੀ ਹੁੜ੍ਹ ਭੂਮਿ
5. ਖੇਤੀ ਕੇ ਅੰਤਰਗਤ ਕੁਲ ਖੇਤਰਫਲ.

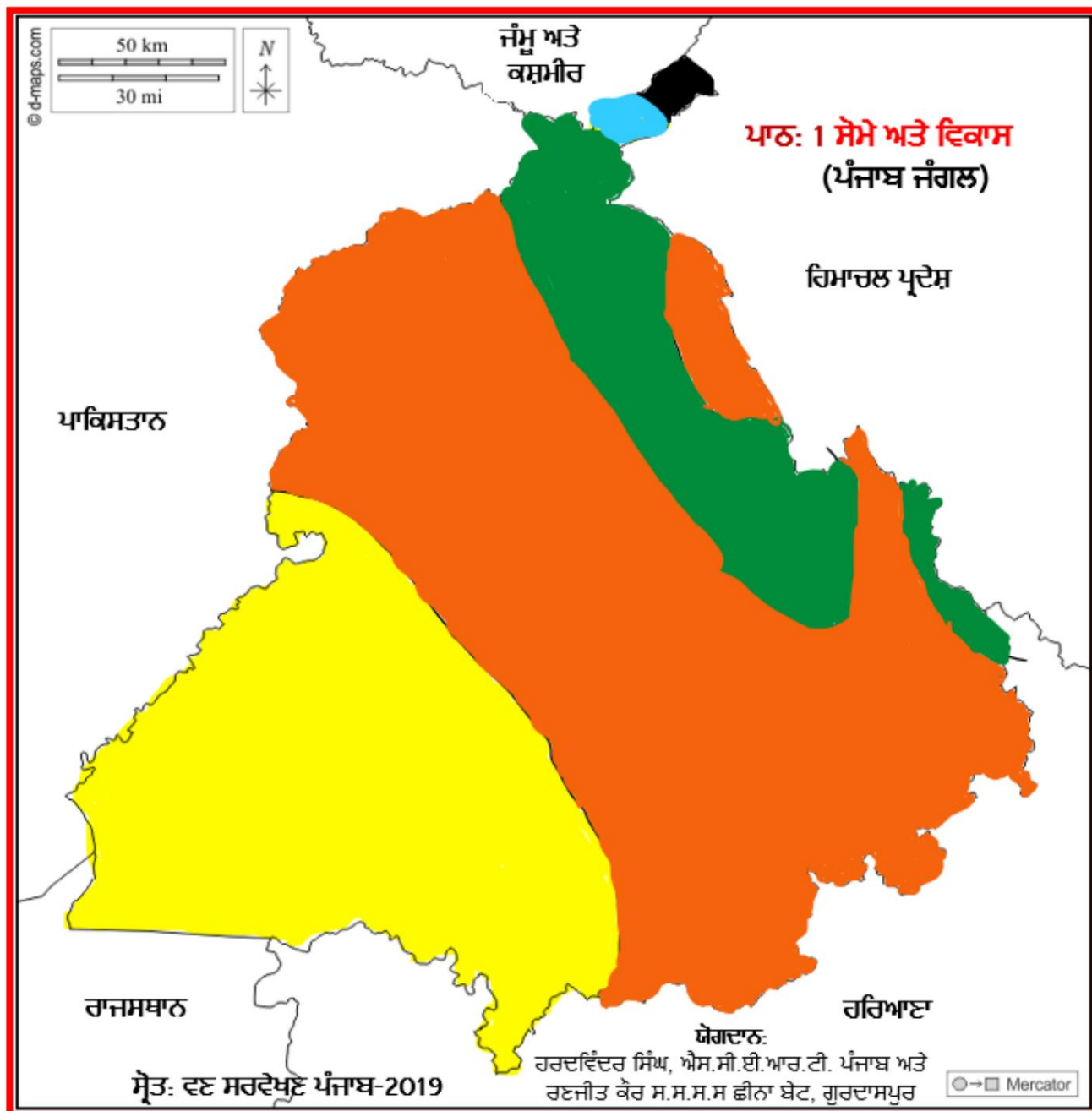
ਮਾਨਚਿਤਰ ਕਾਰਯ

ਭਾਰਤ: ਜੂਨ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਖੇਤਰ 2021



(ii)

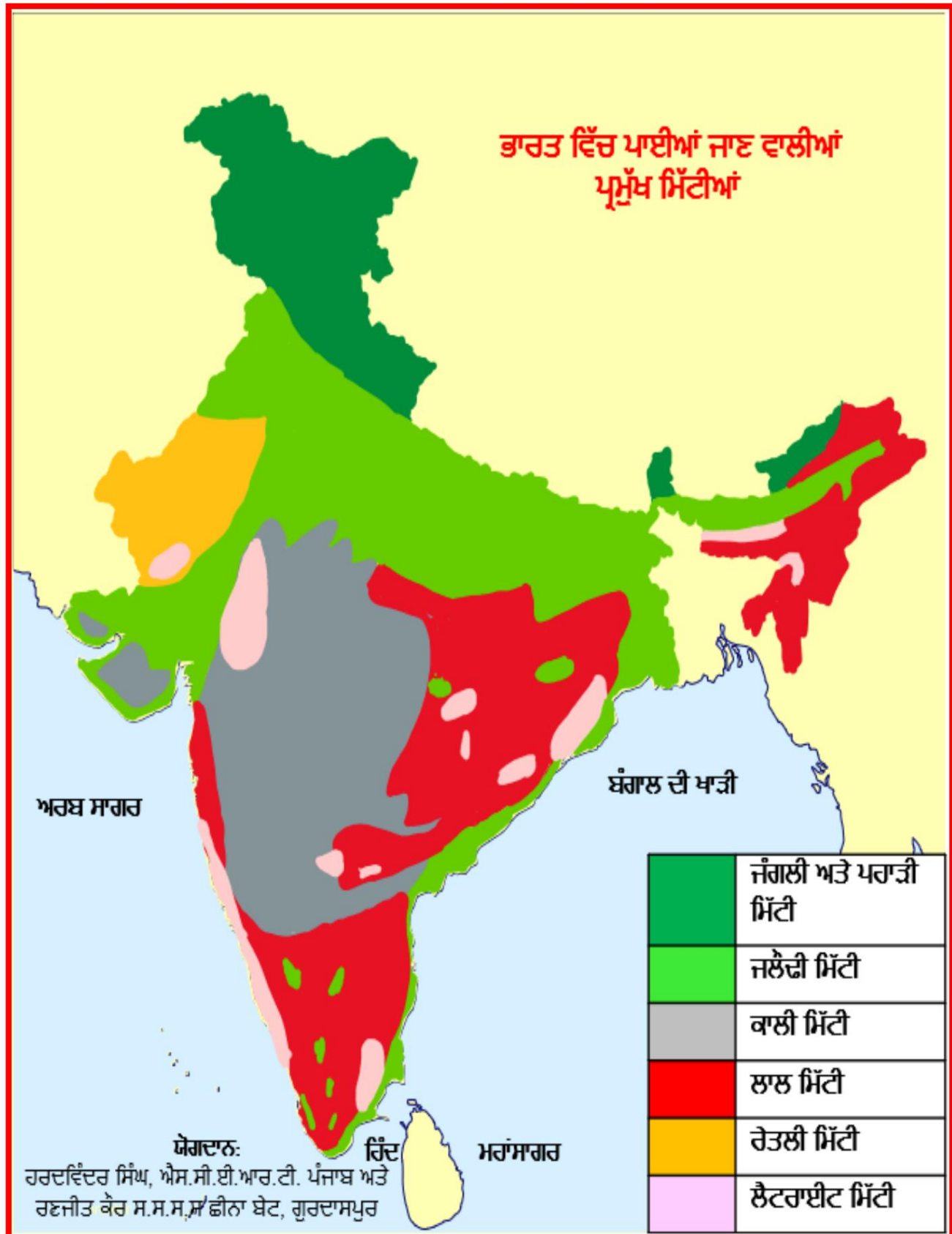
ਕੁਧਾ ਇਸ ਸਾਲ ਕਾ ਯਕਾਬ ਟੋ।



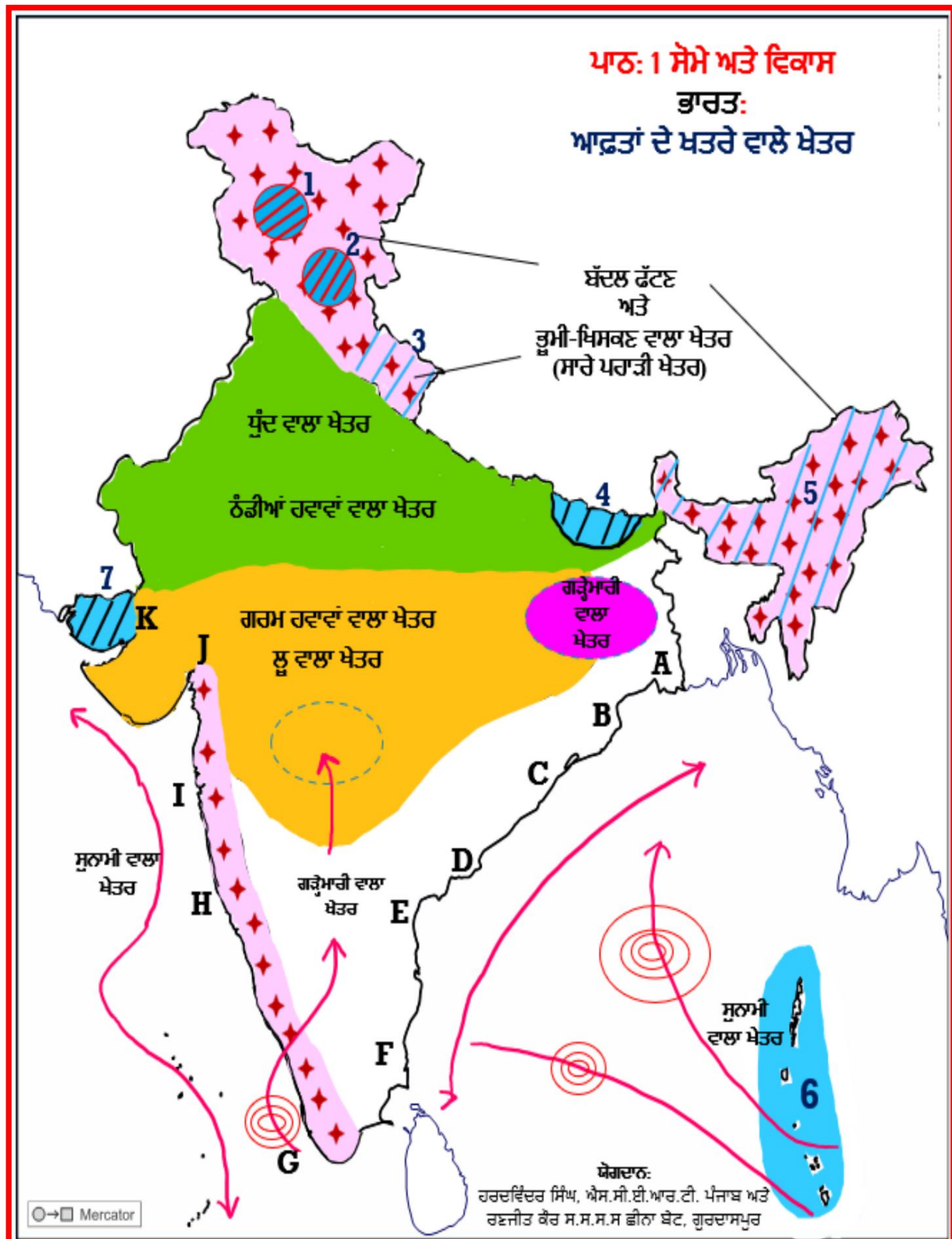
Index:

	ਹਿਮਾਲਿਆਈ ਤਰ ਜੰਗਲ
	ਉੱਪ-ਉਸ਼ਣ ਦਿਓਦਾਰ
	ਉੱਪ-ਉਸ਼ਣ ਭਾਤੀਦਾਰ ਪਹਾਤੀ ਬਨਸਪਤੀ
	ਉਸ਼ਣ-ਖੁਸ਼ਕ ਪਤਭਤੀ
	ਉਸ਼ਣ ਕੰਡੇਦਾਰ

(iii) ਪ੍ਰੇਸ਼ 'ਸੀਮਾਵਾਂ:



(iv) ਆਪਦਾ ਪ੍ਰਕਾਰ ਖੇਤਰ:



ACTIVITY

1. आपका आवासीय क्षेत्र

गरीबों की जान बचाने के लिए एक परियोजना तैयार करें।

उत्तर- जल जीवन के लिए एक अनमोल प्राकृतिक संसाधन है। हमें अपने आवासीय क्षेत्र में जल का संरक्षण और पुनः उपयोग करना चाहिए।

हम एक ऐसी योजना/परियोजना तैयार कर सकते हैं जो पानी बचाने में मददगार साबित होगी।

परियोजना

1. जागरूकता अभियान: लोगों को जल के महत्व और जल संरक्षण के बारे में शिक्षित करने के लिए समूह बैठकों, पोस्टरों और सोशल मीडिया का उपयोग करें।

स्कूलों और कॉलेजों में मित्रता पर सेमिनार आयोजित करना।

2. वर्षा जल संचयन - छतों पर वर्षा जल संचयन प्रणालियों की स्थापना के बारे में जागरूकता पैदा करें और इसे बढ़ावा दें।

बागवानी, शौचालय और सिलाई के लिए पानी का उपयोग करें।

3. रिसाव को ठीक करने के लिए जल रिसाव परीक्षण करें - क्षेत्र में जल रिसाव की जांच करें और उन्हें ठीक करें।

इसे ठीक करें। सार्वजनिक स्थानों पर 'नल बंद करें' के संकेत लगाएँ।

4. जल संरक्षण - कपड़े, बर्तन और हाथ धोने में उपयोग होने वाले पानी का उपयोग बागवानी और खेतों की सिंचाई के लिए करें।



"पानी बचाओ, भलाई बचाओ!"

2. स्कूलों में बदमाशी के खतरों को रोकने के लिए कक्षा में चर्चा करें।

बच्चों! आज कक्षा में हम जल संरक्षण पर चर्चा करेंगे, जिसका उपयोग हम स्कूल में हाथ धोने, बर्तन धोने या अन्य कई कामों में करते हैं। इस पानी को बर्बाद होने से बचाने के लिए इसका पुनः उपयोग कैसे किया जा सकता है?

□ हाथ धोने वायरस के प्रसार को रोकने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं:

वाले स्टेशनों में उपयोग किए गए पानी का पुनः उपयोग फूलों और पौधों की सिंचाई के लिए किया जा सकता है।

□ वाटर कूलर: रात में उपयोग न होने वाले वर्षा जल का उपयोग बागवानी में भी किया जा सकता है।

□ कक्षाओं में उपयोग किए जाने वाले पानी का उपयोग जमीन और अन्य क्षेत्रों से धूल या गंदगी को हटाने के लिए किया जाना चाहिए। यह किया जा सकता है।

□ स्कूल के रसोईघर में इस्तेमाल होने वाले पानी का उपयोग फूलों और पौधों की सिंचाई के लिए भी किया जाता है।

मैं कर सकता हूँ।

"आइये हम सब मिलकर जल बचायें और अपना अच्छा समाज बनायें!"

3. कल्पना कीजिए, यदि अलसी का तेल बिक जाए तो हमें इसकी खोज में क्या कठिनाइयाँ आएंगी, चर्चा कीजिए और नोट कीजिए।

इसे करें।

पेट्रोलियम/डीज़ल हमारे आधुनिक जीवन का एक अभिन्न अंग है। इसका उपयोग न केवल ईंधन के रूप में, बल्कि कई अन्य उद्योगों में भी किया जाता है। यदि इसे पूरी तरह से समाप्त कर दिया जाए, तो हमारे जीवन में बहुत बड़े बदलाव/कठिनाइयाँ आ सकती हैं।

अलसी का तेल छोड़ने पर आने वाली कठिनाइयाँ/बदला -

1. प्रजनन क्षमता पर प्रभाव -

- मोटर, कार, वाहन, परिवहन के विभिन्न साधन और विदेश यात्रा प्रभावित होगी।
- बैटरी चालित वाहनों की मांग बढ़ेगी, लेकिन वे हर जगह उपलब्ध नहीं होंगे।

2. उद्योग पर प्रभाव - प्लास्टिक, पेंट, दवा, रबर उद्योग आदि लगभग सभी उद्योग खनिज तेल पर आधारित हैं। इनका उत्पादन कम हो जाएगा या बंद हो सकता है।

3. कृषि पर प्रभाव - खनिज तेल का उपयोग उर्वरकों, कीटनाशकों और ट्रैक्टरों में किया जाता है। इसकी कमी से कृषि उत्पादन और फसल की पैदावार पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है।

4. दैनिक जीवन पर प्रभाव:

रोजमर्रा की वस्तुओं (जैसे सिंथेटिक कपड़े, प्लास्टिक बैग और सौंदर्य उत्पाद) की उपलब्धता कम हो जाएगी।



अंततः, हम कह सकते हैं कि यदि जीवाश्म ईंधन समाप्त हो गए, तो परिवहन, उद्योग, कृषि और दैनिक जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। हमें आगे आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए नए विकल्प खोजने होंगे।

वाले लोगों का स्थानों की संख्या पर प्रभाव का अवलोकन करें और नोट करें।

चर्चा करें 4. एक ही क्षेत्र में रहने

मिट्टी किसी भी क्षेत्र का सबसे मूल्यवान प्राकृतिक संसाधन है। यह न केवल कृषि और वहाँ रहने वाले लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। यह उस क्षेत्र के लोगों की जीवनशैली, व्यवहार और प्रकृति प्रेम को भी दर्शाता है।

चर्चा के लिए

"सैम्स" नाम का कार्य है।

□ यदि किसी क्षेत्र की मिट्टी उपजाऊ है, तो वहाँ के लोग कृषि में गहराई से शामिल होंगे।

वे एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। वे खेतों, पौधों और पर्यावरण की देखभाल को लेकर ज़्यादा चिंतित हैं।



- यदि किसी क्षेत्र की मिट्टी पथरीली, रेतीली या बंजर है, तो वहाँ के लोग वानिकी, कृषि या पशुपालन का पेशा अपनाकर अपने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का प्रयास करते हैं।
- नदियों, समुद्रों या झीलों के निकट सुदूर क्षेत्रों में लोग जल स्रोतों को पवित्र मानते हैं और उनकी रक्षा के लिए प्रयास करते हैं।
- पहाड़ी इलाकों में लोग वनस्पतियों और वन्य जीवन की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हैं। वे अपने आस-पास की पहाड़ियों, जंगलों और नदियों की रक्षा करते हैं।
- किसान मिट्टी को "धरती माता" मानते हैं। इससे पता चलता है कि वे अपनी मिट्टी से कितने जुड़े हुए हैं।
- ग्रामीण पर्यावरण को स्वच्छ रखने और वनों की कटाई रोकने का प्रयास करते हैं।
- रेतीली मिट्टी में रहने वाले लोग अपने आहार और जीवनशैली को अपने क्षेत्र की जलवायु के अनुसार ढाल लेते हैं, जो उनकी मिट्टी पर आधारित होती है।

"प्रेम हमारे जीवन का मूल है, हमें इसे खोजने में शर्म नहीं आएगी, तभी प्रकृति के प्रति हमारा प्रेम बढ़ेगा!"

नोट: उपर्युक्त गतिविधियाँ केवल शिक्षकों/छात्रों के मार्गदर्शन/सुविधा के लिए तैयार की गई हैं, शिक्षकों को इनका उपयोग नहीं करना चाहिए।

छात्र अपनी समझ, कौशल और तकनीक की मदद से इन समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। इन समस्याओं के तथ्यों/चित्रों/सूचनाओं/सुझावों आदि के लिए गूगल/विकिपीडिया कॉमन्स/चैटगिप्टी का उपयोग किया गया है।

योगदान: रिदविंदर सिंह (राज्य संसाधन व्यक्ति, सामाजिक विज्ञान) एससीईआरटी, पंजाब, जी.सी.आर.टी, पंजाब,
रणजीत कौर (लै. इवेलियास) एस.एस.एस. स्कूल छीना बेट, गुरदासपुर और घेठ, गुरदासपुर अउं
मनदीप कौर (एस.एस.डब्ल्यू. अध्यापिका) एस.के.एस.एस. स्कूल दुखन, लुधियाना।